ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-09-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-09-20 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-09-21	2024-09-22	2024-09-23	2024-09-24	2024-09-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	36.0	36.0	37.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	27.0	27.0	26.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	50	52	51	51
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	26	26	26	24	23
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	15	16	18	16
पवन दिशा (डिग्री)	208	219	219	236	252
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	3	1	5	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ मौसम शुष्क रहने की संभावना ।

सामान्य सलाहकार:

बाजरा और मूंग की फसल अभी पकाव की ओर अग्रसर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे। खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहने के साथ मौसम शुष्क रहने की संभावना ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की फसल में जीवाणु झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए स्टेप्टोसाइक्लीन 0.02 प्रतिशत (यानी 10 लीटर पानी में 2 ग्राम की मात्रा) का छिडकाव करें।
रेंड़ी	अरण्डी की फसल में तना छेदक के नियंत्रण के लिए क्यूनालफॉस 25 ई.सी. 1 लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बेर	बेर के बागानों में बरुथी के प्रकोप के नियंत्रण के लिए स्पाइरोंमेरों मेसिफेन 22.9 प्रतिशत नामक दवा का 0.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
अनार	अनार में विल्ट रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिये 02 किलोग्राम अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद में 10 ग्राम ट्राईकोडर्मा विरिडी को अच्छी तरह मिलाकर प्रति पौधे की दर से दे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	तारामीरा की बुवाई का उचित समय 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक है अतः खाली खेत में उचित नमी की अवस्था में तारामीरा की बुवाई हेतू बीज की व्यवस्था करें तथा उन्नत किस्म जैसे आर.टी.एम.-314 बुवाई के लिए उपयुक्त है। एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है।